



mr.harjeet



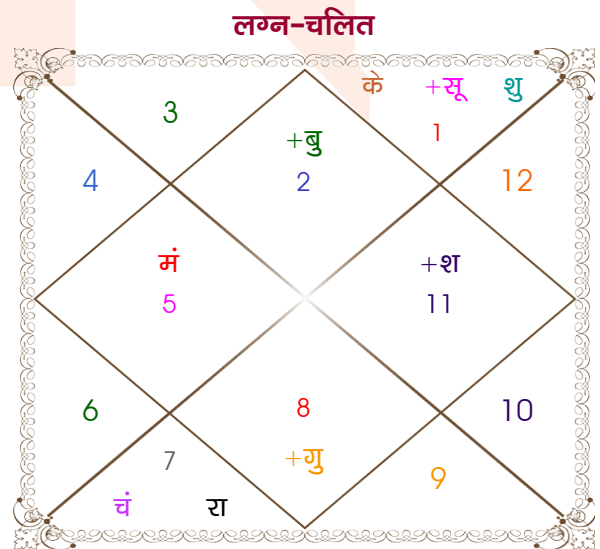
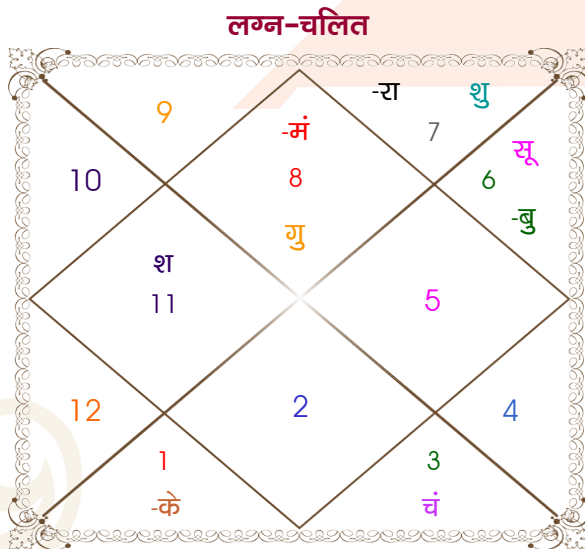
ms.sandeep

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120187422

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 15/10/1995 : _____ जन्म तिथि _____ 14/05/1995 _____
 रविवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 10:30:00 : _____ जन्म समय _____ 06:00:00 घंटे _____
 घटी 10:04:15 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 01:05:42 घटी _____
 India : _____ देश _____ India _____
 Dhuri : _____ स्थान _____ Dhuri _____
 30:22:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 30:22:00 उत्तर _____
 75:53:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 75:53:00 पूर्व _____
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व _____
 घंटे -00:26:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:26:28 घंटे _____
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे _____
 06:28:17 : _____ सूर्योदय _____ 05:33:43 _____
 17:56:09 : _____ सूर्यास्त _____ 19:12:19 _____
 23:48:00 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:47:41 _____

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 11वर्ष 6मा 4दि		18:01:25	वृश्चि	लग्न	वृष	05:23:14	राहु 3वर्ष 11मा 7दि	
शनि		27:34:03	कन्या	सूर्य	मेष	28:58:42	शनि	
20/04/2023		11:28:17	मिथु	चंद्र	तुला	17:05:03	21/04/2015	
20/04/2042		02:09:58	वृश्चि	मंगल	सिंह	01:12:59	20/04/2034	
शनि	23/04/2026	11:19:16	कन्या	बुध	वृष	20:17:03	शनि	23/04/2018
बुध	31/12/2028	19:01:27	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	18:58:30	बुध	31/12/2020
केतु	09/02/2030	12:16:37	तुला	शुक्र	मेष	02:37:41	केतु	09/02/2022
शुक्र	11/04/2033	25:22:19	कुंभ व	शनि	कुंभ	28:41:48	शुक्र	11/04/2025
सूर्य	24/03/2034	02:43:08	तुला	राहु व	तुला	11:47:45	सूर्य	24/03/2026
चन्द्र	23/10/2035	02:43:08	मेष	केतु व	मेष	11:47:45	चन्द्र	23/10/2027
मंगल	01/12/2036	02:45:28	मक	हर्ष व	मक	06:38:54	मंगल	01/12/2028
राहु	08/10/2039	29:00:08	धनु	नेप व	मक	01:41:11	राहु	08/10/2031
गुरु	20/04/2042	05:13:36	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	05:37:04	गुरु	20/04/2034



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

उतर्णीतरममज का वर्ग मार्जार है तथा उर्ण्डकममच का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उतर्णीतरममज और उर्ण्डकममच का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

उतर्णीतरममज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल उतर्णीतरममज कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु उतर्णीतरममज कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

उपेदकममच मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु उपेदकममच कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि उत्तर्णतरममज कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उत्तर्णतरममज तथा उपेदकममच में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।